Dr. Raman Kumar Thakur
Assistant professor (Guest)
Department of Economics)
D.B.College, Jaynagar Madhubani,
L.N.M.U.Darbhanga.

Class:-B.A.part-2(Hons)
Date:-12 may 2020

Topic :-चतुर्थ पंचवर्षीय योजना एवं पांचवी पंचवर्षीय योजना
(fourth five year plan. And fifth five year plan.)

* चतुर्थ पंचवर्षीय योजना
[1 अप्रैल, 1969 से 31 मार्च 1974]

:- चौथी योजना का प्रारंभ 1 अप्रैल 1969 को हुआ तथा 31 मार्च 1974 को यह योजना समाप्त हो गई थी .क्योंकि योजना के मूल उद्देश्य, स्थिरता के साथ आर्थिक विकास (Growth with Stability) तथा आत्मनिर्भरता की अधिकाधिक प्राप्ति (Progress Towards Self Relience) इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए गए:-
1). अर्थव्यवस्था में 5.7% की वार्षिक दर से आर्थिक विकास करना।

2) कृषि तथा औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना। कृषि उत्पादन में 5 परसेंट की वार्षिक दर से तथा औद्योगिक उत्पादन में 8% से 10% वार्षिक दर से वृद्धि।

3) मूल्य स्तर में स्थायित्व लाने के उद्देश्य से मुद्रा प्रसार संबंधी तत्वों को नियंत्रित करना.

4) सामान्य उपभोग की वस्तुओं जिन पर उपभोक्ता अपनी आय का अधिकांश भाग व्यय करता है, के उत्पादन को प्रोत्साहित करना.

5) कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ साथ देश में बफर स्टॉक(Buffer stock का निर्माण करना, ताकि कृषि पदार्थों की निरंतर पूर्ति सुनिश्चित की जा सके तथा मूल्यों को भी स्थिर रखा जा सके।

6) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाने तथा जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए परिवार नियोजन के कार्यक्रमों को लागू करना।

7) निर्यात में 7% वार्षिक वृद्धि करना।

8) रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन करना।

9) पिछड़े क्षेत्रों का अधिकाधिक विकास करना तथा क्षेत्रीय विषमता को दूर करना।

10) सार्वजनिक क्षेत्र का विकास करना।

11) बैंकों पर सामाजिक नियंत्रण लगाना।

12) समाज में आर्थिक समानता एवं न्याय की स्थापना करना।

चौथी योजना में 1993 94 की कीमतों पर राष्ट्रीय आय मैं औसत वार्षिक वृद्धि दर 3.8% प्रति व्यक्ति आय की वार्षिक वृद्धि दर 1.5% रही जो की लक्ष्य से नीची थी । खदानों का औसत वार्षिक केवल 2.7 परसेंट कि दर से बढ़ा औद्योगिक उत्पादन में औसत वार्षिक वृद्धि दर 4%रही जो लक्ष्य से बहुत कम थी । थोक मूल्य सूचकांक 1969 -70 में 175.7 था जो 1973 74 में बढ़कर 283.6 हो गया अर्थात चतुर्थी योजना काल में कीमतों में वृद्धि लगभग 61% की हुई थी चौथी योजना के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र में परिव्यय की प्रस्तावित राशि 15902 करोड रुपए थी जबकि वास्तविक में 15779 करोड रुपए था।

* पांचवी पंचवर्षीय योजना (1 अप्रैल, 1974 से 31 मार्च 1979)
:- पांचवी पंचवर्षीय योजना 1 अप्रैल 1974 को प्रारंभ हुई तथा 31 मार्च 1979 को समाप्त होनी थी .यह योजना जनता सरकार द्वारा 1 वर्ष पूर्व ही समाप्त घोषित कर दी गई थी .इस योजना का मुख्य उद्देश्य 'गरीबी का उन्मूलन 'और आत्मनिर्भरता था. इस योजना के महत्वपूर्ण तत्व निम्नलिखित थे जो इस प्रकार से है:-

1) राष्ट्रीय आय में 5.0% (लक्ष्य 5.5%) की सामान्य वार्षिक वृद्धि.

2) उत्पादक रोजगार के अवसरों का विस्तार करना।

3) न्यूनतम आवश्यकताओं का राष्ट्रीय कार्यक्रम जिसमें प्राथमिक शिक्षा ,पीने का पानी, ग्राम क्षेत्रों में चिकित्सा, पौष्टिक भोजन, भूमिहीन श्रमिकों के मकानों के लिए जमीन, ग्रामीण सड़कें, ग्रामों का विद्युतीकरण एवं गंदी बस्तियों की उन्नति एवं सफाई सम्मिलित है।

4) सामाजिक कल्याण का विस्तृत कार्यक्रम।

5) कृषि एवं जन उपयोगी वस्तुओं को उत्पन्न करने वाले उद्योगों पर बल।

6) निर्धन वर्गों को उचित एवं स्थिर मूल्यों पर अनिवार्य उपभोग की वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त वसूली एवं वितरण प्रणाली।

7) निर्यात प्रोत्साहन (Export promotion)एवं आयात प्रतिस्थापन (Import Substitution पर बल।

8) अनावश्यक उपभोग पर कड़ा प्रतिबंध।

9) एक न्यायपूर्ण कीमत- मजदूरी नीति ।

10) सामाजिक आर्थिक एवं क्षेत्रीय असमानताओं (Regional Inequalities) को कम करने के संस्थानात्मक राजकोषीय एवं अन्य उपाय।